आरती लीजो

पद १

नभ और धरणी आरती थाला, चन्द्र सूरज दोऊ दीप उजाला,
अगर चन्दन सब धूप बिराजे, झूला मेरन चँवर तरन राशी।

नभ [आकाश] और धरणी [धरती] आपकी आरती के थाल हैं;
चन्द्र और सूरज, दोनों उज्ज्वल दीप हैं;
समस्त अगर और चन्दन आपको अर्पित धूप हैं;
मेरु पर्वत आपका झूला है और समस्त वृक्ष-राशि आपके पवित्र चँवर हैं।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।